The Indian Academy

News Paper Clips

Drug Abuse & Awareness

'नशे से कभी नहीं मिलती मंजिल'

द इंडियन एकेडमी स्कूल में कार्यशाला, विशेषज्ञों ने दी सलाह

अमर उजाला ब्यूरो

जोगीवाला स्थित द इंडियन एकेडमी में ड्रग अवेयरनेस पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

देहरादून। नशे से कोई मंजिल नहीं मिलती। कोई नशे से 'कूल' होने या आराम मिलने जैसी बातें करता है, तो समझ लें कि वह आपको बरगला रहा है। कुछ देर के लिए नींद जरूर आ सकती है। लेकिन धीरे-धीरे आदी होने पर शरीर, समाज और परिवार को इसके खतरनाक दुष्परिणाम झेलने पड़ते हैं। नशे से आराम मिलने की बातों में न आकर चुपचाप इसकी जानकारी अपने अभिभावकों या शिक्षकों को दें। ये बातें द इंडियन एकेडमी स्कूल में आयोजित कार्यशाला में आए विशेषज्ञों ने छात्रों को बताईं।

शनिवार को नेहरू ग्राम स्थित द इंडियन एकेडमी स्कूल में नशे के खिलाफ जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हुए। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अधीक्षक रवि कुमार राणा ने उत्तराखंड में स्कूली छात्रों में नशे के बढ़ते चलन पर चिंता जताई। उन्होंने नशे के दुष्परिणाम और नशीली दवाओं, नशीली वस्तुओं के साथ पकड़े जाने पर कानूनी दंड के प्रावधानों के बारे में भी बताया।

इंडियन मीडिया सेंटर (आईएमसी) चेयरमैन एवं 108 सेवा के पूर्व सीईओ अनूप नौटियाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और झगड़े के ज्यादातर मामलों की मुख्य वजह नशा रहता है। कहा कि नशा शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए हानिकारक है। बाल मनोवैज्ञानिक सुरेंद्र ढालवाल ने बताया कि बदलाव के चलते मनुष्य के आचरण में भी परिवर्तन आता है। उन्होंने नशे से नुकसान के कई उदाहरण देकर छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह दी। स्कूल की प्रधानाचार्य नीलम शर्मा ने कहा कि बदलते परिवेश में बच्चों को सही और गलत की जानकारी देकर उन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक मुनेंद्र खंडूड़ी, हेडमास्टर श्रुति ममगाईं, दीप्ति नौटियाल आदि मौजूद रहे।

इस्तेमाल बना सकता है आदी

छात्रों को नशे से दूर रहने की दी नसीहत

देहरादून (एसएनबी)। नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो उत्तराखंड के तत्वावधान में शनिवार को द इंडियन एकेडमी स्कूल नेहरूग्राम में नशे के खिलाफ जागरूकता को लेकर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बच्चों को नशे की लत से दूर रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि नशे का एक बार किया गया इस्तेमाल आपको इसका आदी बना सकता है। इसलिए बेहतर भविष्य के लिए स्वयं को कार्यों में व्यस्त रखें, ताकि किसी भी तरह की गलत आदत आपसे दूर रहे। उन्होंने नशे के दुष्परिणामों के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी दी।

■ नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने द इंडियन एकेडमी स्कूल में आयोजित की नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यशाला

कार्यशाला में नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो उत्तराखंड के सुपरिटेंडेंट रवि कुमार राना ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने नशा मुक्ति को लेकर विशेष अभियान चलाया है। प्रदेश में स्कूली छात्रों में नशे का बढ़ता प्रचलन चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सभी का सहयोग लेकर नशे की बुरी आदत को खत्म किया जा सकता है।

उन्होंने समाज पर नशे के प्रभाव संबंधी प्रस्तुत अपनी स्लाइड में नशे के विभिन्न प्रकारों एवं उनके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, नशीली दवाओं और वस्तुओं के साथ पकड़े जाने पर कानूनी रूप से दंड के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी।

आईएमसी चेयरमैन एवं 108 सेवा के पूर्व सीओओ अनूप नौटियाल ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि अच्छी आदतों में बढ़ोतरी और बुरी आदतों को कम करने का प्रयास करें। नशा शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए हानिकारक हैं।

बाल मनोवैज्ञानिक सुरेन्द्र डालवाल ने बताया कि बदलाव के चलते मनुष्य के आचरण में भी परिवर्तन आता है। उन्होंने कई उदाहरण देकर छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह दी। स्कूल की प्रधानाचार्य नीलम शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों के अभिभावकों का आह्वान किया कि बच्चों के मार्गदर्शन और उन्हें सही-गलत का फर्क बताने से पहले स्वयं परिस्थितियों का मूल्यांकन करें।

कार्यशाला में स्कूल के निदेशक मुनेन्द्र खंडूड़ी, स्कूल हेडमास्टर श्रुति ममगाईं, दीप्ति नौटियाल एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं व अभिभावक मौजूद थे।